This question paper contains 2 printed pages.]

7792 *आपका अनुक्रमांक* .....

M.A. (एम.ए.) / II **A**

HINDI (हिन्दी)

Group K–Rangmanch Evam Drishya-Shravya Madhyam

वर्ग (ठ) – रंगमंच एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम

Paper 16(ii) – Natak Kar Ka Vishishta Adhyan

प्रश्न-पत्र 16(ii) – नाटककार का विशिष्ट

अध्ययन – जयशंकर प्रसाद

(प्रवेशवर्ष 2000 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 50*

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : *प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. हिन्दी परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ़ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य है। वर्ग 'अ' (नियमित विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।*

1. ''प्रसाद के नाटकों में भारतीय तथा पाश्चात्य रंग-परम्परा का समन्वय मिलता है।'' विवेचन कीजिए।

अथवा 12

'स्कन्दगुप्त' के आधार पर प्रसाद के रंगशिल्प की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. 'चन्द्रगुप्त' अथवा 'कामना' की रंगपरिकल्पना स्पष्ट कीजिए। 12

3. ''ध्रुवस्वामिनी में स्त्री-स्वतंत्रता की कामना व्यक्त हुई है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा 12

'जनमेजय का नागयज्ञ' में प्रसाद की रंगदृष्टि पर प्रकाश डालिए।

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) 'चन्द्रगुप्त' की संवाद-योजना,

(ख) 'स्कन्दगुप्त' की दृश्य-योजना,

(ग) 'कामना' की रंगभाषा,

(घ) 'जनमेजय का नागयज्ञ' का दृश्य-बिम्ब। 7, 7